पनामा नहर

[स्रोत: द हिंदू](#)

अमेरिका और पनामा ने एक नए **रक्षा और सुरक्षा समझौते का अधिकरण** पूरा किया है जिसका उद्देश्य [पनामा नहर](#) पर **चीन के बढ़ते प्रभुत्व को कम करना** है।

- चीन **पनामा नहर पर दो** [प्रमुख बंदरगाहों](#) का संचालन करता है, जिससे वैश्विक नौ परिवहन पर चीनी प्रभाव के बारे में अमेरिका की चिंता बढ़ गई है, **हालाँकि पनामा चीन का नियंत्रण होने** से इनकार करता है।
- **पनामा नहर:** इस नहर का **निर्माण मूलतः 1914** में हुआ था और इस पर **अमेरिका का नियंत्रण** था।
  - वर्ष 1979 में **नहर का नियंत्रण** पनामा नहर आयोग को सौंप दिया गया, जो अमेरिका और पनामा की एक संयुक्त एजेंसी थी, और अंततः **वर्ष 1999 में पूर्ण नियंत्रण पनामा को सौंप दिया गया।**
- **सामरिक महत्त्व:** यह विश्व के **सामरिक रूप से दो सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण** [कृत्रिम जलमार्गों](#) में से एक है, दूसरा [स्वेज नहर](#) है।
  - यह [पनामा](#) के संकीर्ण इस्तमुस के माध्यम से **अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ता है,** जिससे अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तटों के बीच की दूरी **लगभग 8,000 समुद्री मील कम हो जाती है।**
- **संचालन/कार्यप्रणाली:** यह जहाज़ों को एक महासागर से दूसरे महासागर तक ले जाने के लिये **जलपाश (Locks) और जल एलीवेटर** की प्रणाली के उपयोग पर आधारित है।
  - क्योंकि **प्रशांत महासागर अटलांटिक महासागर की तुलना में थोड़ा अधिक ऊँचा (~ 20 सेमी)** है इसलिये यह डिज़ाइन आवश्यक हो जाता है।
  - ये जलपाश **जलप्लावन (ऊँचाई बढ़ाने के लिये)** अथवा **अपवाहन (ऊँचाई में कमी के लिये)** कर संचालित होते हैं और जहाज़ों को ऊपर उठाने या नीचे उतारने के लिये जल लिफ्ट के रूप में कार्य करते हैं।

और पढ़ें: पनामा नहर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/panama-canal-2